टेक्सटाइल पार्क से खुलेंगे कपड़ा उद्योग के लिए नए रास्ते

- कुटीर व लघु उद्योग से बढ़ेंगे रोजगार के भी अवसर
- टेक्सटाइल पार्क तक ट्रांसपोर्ट की होगी बेहतर कनेक्टिविटी

1,162 एकड़ में रैथा रोड पर बन रहा पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्क

जासं • लखनऊ : टेक्सटाइल पार्क को बजट में जो वरीयता दी गई है, उससे रोजगार के अवसर और उपलब्ध होंगे। इसके अलावा स्टार्ट अप करने वाले लोगों के लिए व्यापार के नए दरवाजे खुलेंगे और परंपरागत कपड़ा उद्योग से जुड़े व्यापारियों को योगी सरकार बूस्टर डोज देने जा रही है। लखनऊ के मलिहाबाद के पास रैथा रोड पर 1162 एकड़ में टेक्सटाइल पार्क बनाया जा रहा है।

लखनऊ के अलावा शामली, मऊ, गोरखपुर, भदोही, अलीगढ़ इसके हब होंगे। उत्तर प्रदेश कपड़ा उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के अध्यक्ष अशोक मोतियानी कहते हैं कि टेक्सटाइल पार्क बनने से प्रदेश की सूरत बदल जाएगी। कपड़ा उद्योग जो अभी अन्य राज्यों पर कुछ चीजों पर निर्भर है, वह स्वावलंबी हो जाएगा। टेक्सटाइल पार्क तक ट्रांसपोर्ट की कनेक्टिविटी बेहतर करने के लिए सेतु निगम रैथा के पास फ्लाईओवर भी बना रहा है। इससे सीधे वाहन टेक्सटाइल पार्क तक जा सकेंगे। रोड नेटवर्क के साथ ही बिजली, पानी, वेयर हाउस और प्रशिक्षण केंद्र की सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यही नहीं जहां टेक्सटाइल पार्क बनाया जा रहा है, वहां की जमीन के दामों में कई गुणा बढ़ोत्तरी हो गई है। इससे गांव के लोगों को भी कारखाने में रोजगार उनकी योग्यता के हिसाब से मिलेगा। लखनऊ का चिकन कारोबार भी इससे लाभान्वित होगा। टेक्सटाइल पार्क बनने से बुनाई कला को और भी प्रोत्साहन मिलेगा।

> यूपी के बजट में टेक्सटाइल पार्क, वस्त्र गारमेंट नीति से कपड़ा उद्योग के लिए नए रास्ते खुलेंगे। यूपी में व्यापार व उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। यह एक सराहनीय पहल यूपी सरकार ने की है। टेक्सटाइल पार्क बनने से कुटीर व लघु उद्योग को बढ़ावा भी मिलेगा।
>
>
>
> – अशोक मोतियानी, उत्तर प्रदेश कपड़ा उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल

> लखनऊ में टेक्सटाइल पार्क के साथ यूपी के कई जिलों में सरकार द्वारा की गई पहल सराहनीय है। योगी सरकार ने कपड़ा उद्योग को बूस्टर डोज देने का काम किया है। इससे बड़े के साथ ही छोटे उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।
>
>
>
> – प्रभू जालान, कपड़ा व्यापारी, उपाध्यक्ष, लखनऊ व्यापार मंडल